र्भ में)

मुख पत्र, भारतीय प्रौढ शिक्षा संग, संदर्भ में) 57

72

RJPP, Vol. 16, No. 2, 2018, ISSN (P) : 0976-3635, (e) :2454-3411 Impact Factor 6.476 (SJIF)
UGC Approved Journal No. 43279

भारतीय राजनीति में हिसांत्मक एवं अहिंसात्मक आन्दोलन की भूमिका

डॉ0 सीमा देवी
असि0 प्रो0, कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)

सारांश

विभिन्न प्रकार के आन्दोलनों ने, विभिन्न देशों की राजनीतिक सामाजिक, आर्थिक स्थिति में अविश्वसनीय परिवर्तन करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। भारत भी इन आन्दोलनों से वंचित नहीं रहा है। प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से यही विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है कि आन्दोलन की भूमिका ने स्वतन्त्रापूर्व व स्वतन्त्रोत्तर भारत में कैसी रही है।

भारत में हिंसात्मक एवं अहिंसात्मक दोनों ही प्रकार के आन्दोलन समय-समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। विभिन्न हिसात्मक आन्दोलन जैसे–1967 में नक्सलवादी आन्दोलन, ताड़ी विरोधी आन्दोलन 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्तर, 1996 में मित्रो नेशनल फ्रन्ट द्वारा सशस्त्र–विद्रोह आदि, 1990 के दशक में भारतीय राजनीति को नवीन दिशा की ओर ले जाने वाले दो प्रमुख हिंसात्मक आन्दोलन (1) मण्डल आयोग (2) राम मन्दिर निर्माण रहे हैं।

दूसरी ओर भारत की राजनीतिक प्रकृति से मेल खाते अहिंसात्मक आन्दोलन भी रहे हैं, जैसे–चिपको आन्दोलन, मलाला युसुफजई के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण सम्बन्धी आन्दोलन, महात्मा गांधी जी के अहिंसात्मक आन्दोलन की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। गांधी जी के समालोचक डॉ0 अम्बेडकर के विभिन्न आन्दोलनों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सामाजिक वैज्ञानिकों और आन्दोलन कर्ताओं के बीच वर्तमान विचार–विमर्श में नव–सामाजिक आन्दोलन का मुहावरा प्रचलित हो गया है। जैसे–नारी आन्दोलन, पर्यावरण आन्दोलन, शान्ति आन्दोलन आदि कुछ लोगों का कहना है कि नये आन्दोलन उत्तर–आधुनिक समाज के मुद्दो का परिणाम है। आन्दोलन शब्द का प्रयोग पत्रकारों, राजनीतिक एक्टिविस्तो और औसत व्यक्ति द्वारा बड़े ढीले–ढाले अर्थ में किया जाता है। जिस कारा आन्दोलन की शति को कम या अधिक आँकने का खतरा रहता है। विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि कई आन्दोलन उद्देश्यों की प्राप्ति के पश्चात् समाप्त हो गये तो कुछ आन्दोलनों ने दबाव समूहों या राजनीतिक दलों के रूप में कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है।

मूल शब्द : स्वतः, स्फूर्त जन आन्दोलन, बी0के0यू0, नृजातीयता, गौरवपूर्ण क्रान्ति व रक्तहीन क्रान्ति, प्रत्यक्ष कार्यवाही, प्रवसन

Reference to this paper should be made as follows:

डॉ0 सीमा देवी,

भारतीय राजनीति में हिसांत्मक एवं अहिंसात्मक आन्दोलन की भूमिका,

RJPP 2018, Vol. 16, No. 2, pp. 25-32 Article No. 4

Online available at : *http://anubooks.com/ ?page_id=2004*